Date – 14 May 2022

राखीगढ़ी

- हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा हड़प्पा सभ्यता के राखीगढ़ी स्थल की खुदाई से कुछ घरों, गलियों और जल निकासी व्यवस्था की संरचना का पता चला है।
- एएसआई की खुदाई में तांबे और सोने के आभूषण, टेराकोटा खिलौनों के अलावा हजारों मिट्टी के बर्तन और मुहरें भी मिली हैं।
- इस उत्खनन का उद्देश्य राखीगढ़ी के संरचनात्मक अवशेषों का पता लगाना और उन्हें भविष्य के लिए संरक्षित करना और राखीगढ़ी के पुरातात्विक स्थल को पर्यटकों के लिए सुलभ बनाना है।
- इसके अलावा खुदाई में मिले दो मानव कंकालों के डीएनए नमूने एकत्र कर वैज्ञानिक जांच के लिए भेजे गए हैं, इन डीएनए नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार

Yojna IAS

पर राखीगढ़ी क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों की वंशावली और भोजन की आदतों के बारे में बताया गया है. वर्ष पूर्व का पता लगाया जा सकता है।

राखीगढ़ी:

- राखीगढ़ी भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है।
- भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के अन्य प्रमुख स्थल पाकिस्तान में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और गनवेरीवाल और भारत में धोलावीरा (गुजरात) हैं।
- इस सभ्यता की शुरुआत का पता लगाने और 6000 ईसा पूर्व (पूर्व-हड़प्पा चरण) से 2500 ईसा पूर्व तक इसके क्रमिक विकास का अध्ययन करने के लिए राखीगढ़ी की खुदाई की जा रही है।
- इस स्थल की खुदाई का कार्य एएसआई के अमरेंद्र नाथ के नेतृत्व में किया गया था।
- राखीगढ़ी वर्ष 2020 में बजट भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित पांच प्रतिष्ठित स्थलों में से एक है।
- ऐसे अन्य स्थल उत्तर प्रदेश में हस्तिनापुर, असम में शिवसागर, गुजरात में धोलावीरा और तमिलनाडु में आदिचनल्लूर हैं।

साइट के मुख्य निष्कर्ष:

बस्तियां:

- पुरातात्विक उत्खनन से पता चलता है कि परिपक्व हड़प्पा चरण को मिट्टी-ईंट के साथ-साथ उचित जल निकासी के साथ पके हुए-ईंट के घरों के साथ एक नियोजित शहर प्रणाली द्वारा दर्शाया गया था।

मुहर और मृदभांड:

- एक बेलनाकार मुहर, जिसके एक तरफ पांच हड़प्पा चरित्र की आकृतियां हैं और दूसरी तरफ घड़ियाल, इस स्थल की एक महत्वपूर्ण खोज है।
- सिरेमिक उद्योग का प्रतिनिधित्व लाल मिट्टी के बर्तनों द्वारा किया जाता था, जिसमें साधारण तश्तरी, फूलदान, छिद्रित जार शामिल थे।

Yojna IAS

अनुष्ठान और दाह संस्कार:

- पुरातात्विक उत्खनन से मिट्टी के फर्श पर मिट्टी-ईंट और जानवरों की बलि के लिए खोदे गए गड्ढे के साथ त्रिकोणीय और गोलाकार अग्नि-वेदी के प्रमाण मिले हैं, जो हड़प्पावासियों की अनुष्ठान प्रणाली को दर्शाता है।
- उत्खनन से कुछ मकबरे भी मिले हैं, जो निश्चित रूप से बाद के चरण, शायद मध्यकाल के हैं।
- खुदाई में मिट्टी के बर्तनों और जैस्पर, सुलेमानी मोतियों और खोल की चूड़ियों जैसे आभूषणों से दबे दो मादा कंकाल मिले।

अन्य पुरातात्विक अवशेष:

- ब्लेड, टेराकोटा और खोल की चूड़ियाँ, अर्ध-कीमती पत्थर के मोती, तांबे की वस्तुएं, जानवरों की मूर्तियाँ, खिलौना गाड़ी का फ्रेम और टेराकोटा व्हील, उत्कीर्ण स्टीटाइट सील और छत।

डीएनए नमूनों का अध्ययन:

- हरियाणा में हड़प्पा स्थल 'राखीगढ़ी' के कब्रिस्तान से खोदे गए कंकालों के डीएनए (डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड) पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों का एक स्वतंत्र वंश है।
- यह अध्ययन पहले की इस परिकल्पना को खारिज करता है कि हड़प्पावासियों का वंश स्टेपी चरवाहों या प्राचीन ईरानी किसानों से संबंधित था।

Yojna IAS

Swadeep Kumar

एशियाई चुनाव प्राधिकरण

- मनीला, फिलीपींस में हाल ही में आयोजित कार्यकारी बोर्ड और महासभा की बैठक में भारत को सर्वसम्मति से वर्ष **2022-2024** के लिए एसोसिएशन ऑफ एशियन इलेक्शन अथॉरिटीज **(AAEA)** के नए अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।
- कार्यकारी बोर्ड में नए जोड़े गए सदस्यों में रूस, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, ताइवान और फिलीपींस शामिल हैं।

AAEA:

- इसकी स्थापना वर्ष **1998** में **26-29** जनवरी **1997** से मनीला, फिलीपींस में आयोजित **21**वीं सदी में एशियाई चुनावों पर संगोष्ठी के प्रतिभागियों द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अनुसरण में की गई थी।
- एशियाई चुनाव निगरानी निकाय, एएईए के वर्तमान में **20** सदस्य हैं।
- भारत का चुनाव आयोग एएईए के 'चुनाव निगरानी निकाय' का संस्थापक और सदस्य है और **2011-13** के दौरान एएईए के कार्यकारी बोर्ड में उपाध्यक्ष और **2014-16** के दौरान अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।
- **AAEA 118**-सदस्यीय एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज **(A-WEB)** का भी एक सहयोगी सदस्य है।

Yojna IAS

AAEA का उद्देश्य:

- चुनाव अधिकारियों के बीच अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एशियाई क्षेत्र में एक गैर-पक्षपातपूर्ण मंच प्रदान करना।
- सुशासन और लोकतंत्र का समर्थन करने की दृष्टि से खुले और पारदर्शी चुनावों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा और कार्रवाई करना।

AAEA में भारत की भूमिका:

- भारत ने अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में सदस्य देशों के लिए नियमित रूप से कई अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।
- 2019 से, IIIDEM AAEA सदस्य देशों के 250 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण देने में सहायक रहा है।
- ईसीआई ने सदस्य देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) और अंतर्राष्ट्रीय आभासी चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) का भी आयोजन किया है, जो वर्ष 2022 में विधानसभा चुनावों के दौरान आयोजित किया गया था।

भारत चुनाव आयोग:

- भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) एक संवैधानिक निकाय है जिसकी परिकल्पना भारत के संविधान में निहित समानता, निष्पक्षता, स्वतंत्रता के मूल्यों और चुनावी शासन पर अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के तहत कानून के शासन को बनाए रखने के लिए की गई है।
- भारतीय संविधान का भाग XV चुनावों से संबंधित है और चुनाव आयोग की स्थापना का प्रावधान करता है।
- संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 आयोग और उसके सदस्यों की शक्तियों, कार्यों, कार्यकाल, पात्रता आदि से संबंधित हैं।
- ईसीआई के सदस्यों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की सिफारिशों के आधार पर की जाती है।

Yojna IAS

- हालांकि, अनुच्छेद 324(2) में प्रावधान है कि संसद को चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति के संबंध में कानून बनाने का अधिकार है।

Swadeep Kumar

Yojna IAS